भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

20 फरवरी, 2018

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह द्वारा विवेकानंद इंस्टीट्यूशंस, पुत्तुर (दक्षिणी कन्नड़ जिला, कर्नाटक) में "न्यू इंडिया के निर्माण में युवाओं की भूमिका" विषय पर छात्रों को दिये गये उद्बोधन के मुख्य बिंदु

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरकार चलाने के लिये कुछ मूलभूत सिद्धांत तय किये हैं - पहला यह कि भाजपा सत्ता में केवल सरकार चलाने के लिये नहीं बल्कि देश को बदलने के लिये है। दूसरा यह कि भाजपा सरकार लोगों को अच्छे लगने वाले फैसले लेने की जगह ऐसे फैसले लेगी जोकि लोगों के लिये अच्छे हों और तीसरा यह कि हम 'सबका साथ, सबका विकास' की अवधारणा पर आगे बढ़ेंगे

****

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के सर्वांगीण विकास के विजन पर देश में परिवर्तन लाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने देश के सोचने के स्केल को ऊपर उठाने का काम किया है, रिफॉर्म्स की जगह ट्रांसफॉर्मेशन की शुरुआत की है

****

देश का एक हिस्सा 21वीं शताब्दी में रहे और देश का गाँव 18वीं शताब्दी में जीता रहे, इस तरह का विकास हमें नहीं चाहिए, पूरा देश 21वीं शताब्दी में जाना चाहिए, चाहे वह गाँव का गरीब से गरीब घर हो या दिल्ली के लुटियन जोन में रहने वाला परिवार

****

कर्नाटक में एक ऐसी सरकार चाहिए जो भ्रष्टाचार से मुक्त हो, राज्य के अंतिम व्यक्ति तक की भलाई के लिए काम करे और कन्नड़ गौरव को देश में सबसे ऊपर स्थापित कर सके

****

जब तक देश के युवा देश को आगे नहीं बढ़ाते, देश तरक्की के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'न्यू इंडिया' के स्वप्न को देश के युवा ही साकार कर सकते हैं

****

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश में उच्च शिक्षा की गरिमामय परंपरा को प्रतिस्थापित करने के लिये कटिबद्ध हैं। मोदी सरकार ने देश में 20 विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय खोलने का प्रोजेक्ट हाथ में लिया है और सरकार प्रत्येक यूनिवर्सिटी को 10 हजार करोड़ रुपये आवंटित करेगी

****

अपने निहित स्वार्थ के लिए, अपने सगे-संबंधियों के लिए सरकार चलानी वाली सरकार कर्नाटक का भला नहीं कर सकती, राज्य के अंतिम व्यक्ति तक के लिए भलाई की सोच रखने वाली सरकार ही कर्नाटक का भला कर सकती है

****

तुष्टीकरण और वोटबैंक की राजनीति से समाज टूटता है, जुड़ता नहीं

****

मैं चाहता हूँ कि कर्नाटक के युवा भी देश की परिवर्तन यात्रा में भागीदार बनें और भ्रष्टाचार-मुक्त कर्नाटक के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं

****

विवेकानंद जी के आदर्शों पर चलते हुये "उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक कार्यरत रहो" के संकल्प के साथ हम अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ें। जब तक भारत माता विश्व गुरु के स्थान पर पुनः प्रतिष्ठित नहीं होती, तब तक हम में से किसी को भी आराम करने का अधिकार नहीं है

****

देश का हर गरीब, हर पिछड़ा, दलित, आदिवासी सम्मान के साथ समाज में अपना साथ सुनिश्चित करें, ऐसे भारत के निर्माण के लिए हम सबको मिल कर काम करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहते हैं जो गरीबी, गंदगी, भ्रष्टाचार, जातिवाद, सम्प्रदायवाद, आतंकवाद और तुष्टीकरण की राजनीति से मुक्त हो

****

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने आज पुत्तुर (दक्षिणी कन्नड़ जिला, कर्नाटक) स्थित विवेकानंद इंस्टीट्यूशंस में "न्यू इंडिया के निर्माण में युवाओं की भूमिका" विषय पर कॉलेज छात्रों को संबोधित किया और छात्रों से भारत की विकास यात्रा में अपनी भूमिका प्रभावी तरीके से निभाने का आह्वान किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि **कोई भी व्यक्ति अपनी मातृभूमि और मातृभाषा से कट कर बड़ा नहीं हो सकता क्योंकि मातृभाषा एवं मातृभूमि ही हमें अपनी जड़ों के साथ जोड़े रखती है, अपनी संस्कृति के साथ जोड़े रखती है और जीवन में आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करती है।** विवेकानंद इंस्टीट्यूशंस इसी विचार के साथ छात्रों को शिक्षा और संस्कार के साथ-साथ राष्ट्र के नव-निर्माण के लिए भी प्रेरित करती है, इसलिए यहाँ आकर मैं अपने-आप को काफी भाग्यशाली समझता हूँ।

श्री शाह ने कहा कि देश में स्वराज की स्थापना के लिये आजादी के आंदोलन में न जाने कितने मनीषियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि **स्वराज का मतलब केवल अपने लोगों के लिए चलाया जाने वाला शासन नहीं बल्कि देश के सर्वांगीण विकास व सबके जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिये चलाया जाने वाला शासन है।**

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के पहले यूपीए के शासन में देश का भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा था, एक-के-बाद-एक 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के मामले देश की जनता के सामने आ रहे थे, सीमाओं की सुरक्षा खतरे में थी, महिलायें सुरक्षित नहीं थी, युवा आक्रोशित थे और इस परिस्थिति में देश की जनता ने श्री नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुये भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण जनादेश दिया। उन्होंने कहा कि **आगे जब भी देश का इतिहास लिखा जाएगा, 2014 का चुनाव स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।**

श्री शाह ने कहा, "**प्रधानमंत्री बनते ही श्री नरेन्द्र भाई मोदी ने सरकार चलाने के लिये कुछ मूलभूत सिद्धांत तय किये - पहला यह कि भारतीय जनता पार्टी सत्ता में केवल सरकार चलाने के लिये नहीं है बल्कि देश को बदलने के लिये, देश को आगे बढ़ाने**

के लिये है। दूसरा सिद्धांत यह था कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार लोगों को अच्छे लगने वाले फैसले लेने की जगह ऐसे फैसले लेगी जोकि लोगों के लिये अच्छे हों और उनके जीवन स्तर में सुधार आ सके और तीसरा यह कि हम 'सबका साथ, सबका विकास' की अवधारणा पर आगे बढ़ेंगे।" उन्होंने कहा कि चार साल बाद मैं गर्व के साथ कह सकता हूँ कि मोदी सरकार ने इन तीनों सिद्धांतों को चरितार्थ करके दिखाया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 2014 में जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार का गठन हुआ तब देश में 60% परिवार ऐसे थे, जिनके पास एक बैंक अकाउंट तक नहीं था, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल एक करोड़ लोगों के पास ही एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध था, लगभग 18 हजार गाँव ऐसे थे, जहां बिजली नहीं पहुँची थी, ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के घरों में शौचालय नहीं था, आप कल्पना कर सकते हैं कि आजादी के इतने सालों बाद भी बुनियादी सुविधाएँ लोगों को मयस्सर नहीं थी, किस प्रकार की सरकार कांग्रेस ने चलाई? उन्होंने कहा कि **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के सर्वांगीण विकास के विजन पर देश में परिवर्तन लाने का बीड़ा उठाया और आज देश के लगभग हर परिवार के पास अपना बैंक अकाउंट है, लगभग साढ़े सात करोड़ शौचालयों का निर्माण हुआ है, हर स्कूल में छात्राओं के लिए शौचालयों का निर्माण किया गया है, 18 हजार गाँवों में से 13 हजार गाँवों में बिजली पहुंचाने का काम पूरा कर लिया गया है, साढ़े तीन करोड़ गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है और आयुष्मान भारत के अंतर्गत देश के लगभग 10 करोड़ परिवारों को सालाना 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा देने का प्रावधान किया गया है।** उन्होंने कहा कि **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के सोचने के स्केल को ऊपर उठाने का काम किया है, उन्होंने रिफॉर्म्स की जगह ट्रांसफॉर्मेशन की शुरुआत की है।** उन्होंने कहा कि **देश का एक हिस्सा 21वीं शताब्दी में रहे और देश का गाँव 18वीं शताब्दी में जीता रहे, इस तरह का विकास हमें नहीं चाहिए, पूरा देश 21वीं शताब्दी में जाना चाहिए, चाहे वह गाँव का गरीब से गरीब घर हो या दिल्ली के लुटियन जोन में रहने वाला परिवार।**

श्री शाह ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिये भी मोदी सरकार ने कई कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि पहले सीमा पार से होने वाले आतंकी हमलों के खिलाफ सरकार की कोई नीति ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और हमारे जवानों के अप्रतिम शौर्य के बल पर हमने 10 दिनों के अन्दर ही सर्जिकल स्ट्राइक कर के उरी हमले का बदला पाक प्रेरित आतंकवादियों से ले लिया। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया में देश के प्रति देखने के नजरिये में बदलाव आया और दुनिया भर में संदेश गया कि हम सभी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं लेकिन अपनी सीमाओं के साथ खिलवाड़ हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमने अंतरिक्ष में एक साथ 104 उपग्रह प्रक्षेपित करके अमेरिका के रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया, इसे कहते हैं बदलते भारत की तस्वीर।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने छात्रों का आह्वान करते हुए कहा कि मे**हनत का कोई पर्याय नहीं होता और एक बड़े लक्ष्य को सामने रख कर लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनवरत परिश्रम करना ही सफलता की कुंजी है।** उन्होंने कहा कि **जब तक देश के युवा देश को आगे नहीं बढ़ाते, देश तरक्की के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता।** उन्होंने कहा कि **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश में उच्च शिक्षा की गरिमामय परंपरा को प्रतिस्थापित करने के लिये कटिबद्ध हैं।** उन्होंने कहा कि **मोदी सरकार ने देश में 20 विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय खोलने का प्रोजेक्ट हाथ में लिया है और मोदी सरकार प्रत्येक यूनिवर्सिटी को 10 हजार करोड़ रुपये आवंटित करेगी। उन्होंने कहा कि दो साल में ये विश्वविद्यालय कार्य करना शुरू कर देंगे।**

श्री शाह ने कहा कि **देश में परिवर्तन लाने की मुहिम की जो शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हुई है, उसे आगे बढ़ाने के लिए यह बहुत जरूरी है कि पूरा देश इस प्रक्रिया के साथ जुड़ जाए और देश की जनता भी यही चाहती है, इसलिए 2014 के बाद देश में हुए लगभग हर विधानसभा चुनाव में जनता ने भारतीय जनता पार्टी को सरकार चलाने का जनादेश दिया है।** उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुये कहा कि त्रिपुरा में भी निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने वाली है। उन्होंने कहा कि **मैं चाहता हूँ कि कर्नाटक के युवा भी इस परिवर्तन यात्रा में भागीदार बनें और भ्रष्टाचार-मुक्त कर्नाटक के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।** उन्होंने कहा कि **अपने निहित स्वार्थ के लिए, अपने सगे-संबंधियों के लिए सरकार चलानी वाली सरकार कर्नाटक का भला नहीं कर सकती, राज्य के अंतिम व्यक्ति तक के लिए भलाई की सोच रखने वाली सरकार ही कर्नाटक का भला कर सकती है।** उन्होंने कहा कि **तुष्टीकरण और वोटबैक की राजनीति से समाज टूटता है, जुड़ता नहीं।** उन्होंने कहा कि **कर्नाटक में एक ऐसी सरकार चाहिए जो भ्रष्टाचार से मुक्त हो, राज्य के अंतिम व्यक्ति तक की भलाई के लिए काम करे और कन्नड़ गौरव को देश में सबसे ऊपर स्थापित कर सके।** उन्होंने कहा कि **विकास का परिवर्तन करने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों की होती है लेकिन यदि राज्य सरकार केंद्र की योजनाओं को इम्प्लीमेंट ही न करे तो राज्य आगे नहीं बढ़ सकता।**

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने युवाओं से अपील करते हुये कहा कि कर्नाटक के युवा आने वाले दिनों में कर्नाटक में एक ऐसी सरकार बनाएं जो कर्नाटक को आगे ले जाने का काम करे। उन्होंने कहा कि **विवेकानंद जी के आदर्शों पर चलते हुये "उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक कार्यरत रहो" के संकल्प के साथ हम अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ें।** उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुये कहा कि **जब तक भारत माता विश्व गुरु के स्थान पर पुनः प्रतिष्ठित नहीं होती, तब तक हम में से किसी को भी आराम करने का अधिकार नहीं है।** उन्होंने कहा कि **देश का हर गरीब, हर पिछड़ा, दलित, आदिवासी सम्मान के साथ समाज में अपना साथ सुनिश्चित करें, ऐसे भारत के निर्माण के लिए हम सबको मिल कर काम करना है।** उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने न्यू इंडिया के निर्माण की परिकल्पना देश के सामने रखी है। उन्होंने कहा कि **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहते हैं जो गरीबी, गंदगी, भ्रष्टाचार, जातिवाद, सम्प्रदायवाद, आतंकवाद और तुष्टीकरण की राजनीति से मुक्त हो।** उन्होंने कहा कि **इस नए भारत का निर्माण देश के युवा ही कर सकते हैं क्योंकि जो क्षमताएं भारत के युवाओं में है, वह विश्व में कहीं भी नहीं है।**

(महेंद्र पांडेय)
कार्यालय सचिव